श्री जिनेन्द्राय नमः ॥

जैनव्रतकथा संग्रह ॥

जिस में

१ ऋषि पञ्चमी २ सुगन्ध दशमी ३ अनन्तचौदश ४ रत्नत्रय
५ दश लक्षण ६ मुक्तावली ७ रविव्रत ८ पुष्पांजलि
९ नंदीश्वरव्रत आदि नो व्रत
कथाओं का संग्रह है ॥

वीर सम्वत २४३३

प्रथमावृत्ति १०००

न्योछावर ≡) तीन आना

मिलने का पता.-

जैनधर्म की कुल छपाहुई पुस्तकें वा ग्रंथ इस पतेसे मिलेंगे

लालाजैनीलाल जैन

मु० देवबन्द-जि० सहारनपुर

ब्रह्मप्रेस इटावा मे छपा ॥